

FEHL
18

1/1

கனபகடேபந ஸ்ரீகாணபகடே
A 6 A

ក្រសួងសេដ្ឋកិច្ច និងហិរញ្ញវត្ថុ

အကယ်၍ ဘုရားရှိခိုး ပုဒ်များကို နှိုင်းယှဉ်ကြည့်ပါက

1. ଭୋଗ । କେନ୍ଦ୍ର ପ୍ର: କର । ଭୋଗ ପ୍ର:

၁၆၅၁ ခုနှစ် ဇန်နဝါရီလ ၁ ရက်နေ့

● ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ਗੁਰੂ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ॥

၁။ နိကာယသုတ်၊ သမ္ဘင်္ဂဇာတိ၊ ပထဝီသုတ်၊ အနတ္တသုတ်

[illegible]

ປິດໂຕກາຍ 1 ກະຊວງການສຶກສາ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ကမ္ဘာကြီးပတ်ဝန်းကျင်မှာ အာဟာရရှိရန် အလွန်အရေးကြီးသည်။ အာဟာရသည် ကျန်းမာရေးနှင့် နားလည်မှုကို ထိန်းသိမ်းပေးသည်။
အာဟာရသည် ကျန်းမာရေးနှင့် နားလည်မှုကို ထိန်းသိမ်းပေးသည်။ အာဟာရသည် ကျန်းမာရေးနှင့် နားလည်မှုကို ထိန်းသိမ်းပေးသည်။
အာဟာရသည် ကျန်းမာရေးနှင့် နားလည်မှုကို ထိန်းသိမ်းပေးသည်။ အာဟာရသည် ကျန်းမာရေးနှင့် နားလည်မှုကို ထိန်းသိမ်းပေးသည်။
အာဟာရသည် ကျန်းမာရေးနှင့် နားလည်မှုကို ထိန်းသိမ်းပေးသည်။ အာဟာရသည် ကျန်းမာရေးနှင့် နားလည်မှုကို ထိန်းသိမ်းပေးသည်။
အာဟာရသည် ကျန်းမာရေးနှင့် နားလည်မှုကို ထိန်းသိမ်းပေးသည်။ အာဟာရသည် ကျန်းမာရေးနှင့် နားလည်မှုကို ထိန်းသိမ်းပေးသည်။

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥ श्रीगुरुभक्त्युत्तमं ॥
 श्रीगुरुभक्त्युत्तमं ॥ श्रीगुरुभक्त्युत्तमं ॥
 श्रीगुरुभक्त्युत्तमं ॥ श्रीगुरुभक्त्युत्तमं ॥
 श्रीगुरुभक्त्युत्तमं ॥ श्रीगुरुभक्त्युत्तमं ॥
 श्रीगुरुभक्त्युत्तमं ॥ श्रीगुरुभक्त्युत्तमं ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

90617

[illegible]

[illegible]

॥ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ප්‍රකාශන මධ්‍යස්ථානය, කොළඹ 1

126 457 57 236 227 24 011 58 726 32 22652

(1.251.57676.5792.221) 1.251.57676.5792.221

১১১. কংগ্রেসের (১৯৩৬) সভাপতিত্ব করতঃ

ສາມເປັນເກຣກໄດ້ລຳດັບນີ້ 1. 102(85)

612 1-30-76 4:15 PM (continued)

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

১৯৩৩ সালে ১৭ নভেম্বর (শুক্র) তারিখে কলকাতা

२०१७-१८

၁၂၆၆ ခုနှစ်၊ ဇန်နဝါရီလ ၁ ရက်နေ့၊ နံနက် ၈ နာရီခန့်တွင်

(1) ১৯৬০ খ্রিঃ ১০/১১/৬০

१०४ । अथैतत् । अथैतत् । अथैतत् । अथैतत् ।

[illegible]

১৯৩৬ সালের ১২ই জানুয়ারি তারিখের

2018-19-2019-2020-2021-2022-2023-2024-2025-2026-2027-2028-2029-2030-2031-2032-2033-2034-2035-2036-2037-2038-2039-2040-2041-2042-2043-2044-2045-2046-2047-2048-2049-2050-2051-2052-2053-2054-2055-2056-2057-2058-2059-2060-2061-2062-2063-2064-2065-2066-2067-2068-2069-2070-2071-2072-2073-2074-2075-2076-2077-2078-2079-2080-2081-2082-2083-2084-2085-2086-2087-2088-2089-2090-2091-2092-2093-2094-2095-2096-2097-2098-2099-2100-2101-2102-2103-2104-2105-2106-2107-2108-2109-2110-2111-2112-2113-2114-2115-2116-2117-2118-2119-2120-2121-2122-2123-2124-2125-2126-2127-2128-2129-2130-2131-2132-2133-2134-2135-2136-2137-2138-2139-2140-2141-2142-2143-2144-2145-2146-2147-2148-2149-2150-2151-2152-2153-2154-2155-2156-2157-2158-2159-2160-2161-2162-2163-2164-2165-2166-2167-2168-2169-2170-2171-2172-2173-2174-2175-2176-2177-2178-2179-2180-2181-2182-2183-2184-2185-2186-2187-2188-2189-2190-2191-2192-2193-2194-2195-2196-2197-2198-2199-2200-2201-2202-2203-2204-2205-2206-2207-2208-2209-2210-2211-2212-2213-2214-2215-2216-2217-2218-2219-2220-2221-2222-2223-2224-2225-2226-2227-2228-2229-2230-2231-2232-2233-2234-2235-2236-2237-2238-2239-2240-2241-2242-2243-2244-2245-2246-2247-2248-2249-2250-2251-2252-2253-2254-2255-2256-2257-2258-2259-2260-2261-2262-2263-2264-2265-2266-2267-2268-2269-2270-2271-2272-2273-2274-2275-2276-2277-2278-2279-2280-2281-2282-2283-2284-2285-2286-2287-2288-2289-2290-2291-2292-2293-2294-2295-2296-2297-2298-2299-2300-2301-2302-2303-2304-2305-2306-2307-2308-2309-2310-2311-2312-2313-2314-2315-2316-2317-2318-2319-2320-2321-2322-2323-2324-2325-2326-2327-2328-2329-2330-2331-2332-2333-2334-2335-2336-2337-2338-2339-2340-2341-2342-2343-2344-2345-2346-2347-2348-2349-2350-2351-2352-2353-2354-2355-2356-2357-2358-2359-2360-2361-2362-2363-2364-2365-2366-2367-2368-2369-2370-2371-2372-2373-2374-2375-2376-2377-2378-2379-2380-2381-2382-2383-2384-2385-2386-2387-2388-2389-2390-2391-2392-2393-2394-2395-2396-2397-2398-2399-2400-2401-2402-2403-2404-2405-2406-2407-2408-2409-2410-2411-2412-2413-2414-2415-2416-2417-2418-2419-2420-2421-2422-2423-2424-2425-2426-2427-2428-2429-2430-2431-2432-2433-2434-2435-2436-2437-2438-2439-2440-2441-2442-2443-2444-2445-2446-2447-2448-2449-2450-2451-2452-2453-2454-2455-2456-2457-2458-2459-2460-2461-2462-2463-2464-2465-2466-2467-2468-2469-2470-2471-2472-2473-2474-2475-2476-2477-2478-2479-2480-2481-2482-2483-2484-2485-2486-2487-2488-2489-2490-2491-2492-2493-2494-2495-2496-2497-2498-2499-2500-2501-2502-2503-2504-2505-2506-2507-2508-2509-2510-2511-2512-2513-2514-2515-2516-2517-2518-2519-2520-2521-2522-2523-2524-2525-2526-2527-2528-2529-2530-2531-2532-2533-2534-2535-2536-2537-2538-2539-2540-2541-2542-2543-2544-2545-2546-2547-2548-2549-2550-2551-2552-2553-2554-2555-2556-2557-2558-2559-2560-2561-2562-2563-2564-2565-2566-2567-2568-2569-2570-2571-2572-2573-2574-2575-2576-2577-2578-2579-2580-2581-2582-2583-2584-2585-2586-2587-2588-2589-2590-2591-2592-2593-2594-2595-2596-2597-2598-2599-2600-2601-2602-2603-2604-2605-2606-2607-2608-2609-2610-2611-2612-2613-2614-2615-2616-2617-2618-2619-2620-2621-2622-2623-2624-2625-2626-2627-2628-2629-2630-2631-2632-2633-2634-2635-2636-2637-2638-2639-2640-2641-2642-2643-2644-2645-2646-2647-2648-2649-2650-2651-2652-2653-2654-2655-2656-2657-2658-2659-2660-2661-2662-2663-2664-2665-2666-2667-2668-2669-2670-2671-2672-2673-2674-2675-2676-2677-2678-2679-2680-2681-2682-2683-2684-2685-2686-2687-2688-2689-2690-2691-2692-2693-2694-2695-2696-2697-2698-2699-2700-2701-2702-2703-2704-2705-2706-2707-2708-2709-2710-2711-2712-2713-2714-2715-2716-2717-2718-2719-2720-2721-2722-2723-2724-2725-2726-2727-2728-2729-2730-2731-2732-2733-2734-2735-2736-2737-2738-2739-2740-2741-2742-2743-2744-2745-2746-2747-2748-2749-2750-2751-2752-2753-2754-2755-2756-2757-2758-2759-2760-2761-2762-2763-2764-2765-2766-2767-2768-2769-2770-2771-2772-2773-2774-2775-2776-2777-2778-2779-2780-2781-2782-2783-2784-2785-2786-2787-2788-2789-2790-2791-2792-2793-2794-2795-2796-2797-2798-2799-2800-2801-2802-2803-2804-2805-2806-2807-2808-2809-2810-2811-2812-2813-2814-2815-2816-2817-2818-2819-2820-2821-2822-2823-2824-2825-2826-2827-2828-2829-2830-2831-2832-2833-2834-2835-2

30

12/15/20

[illegible]

[illegible]

[illegible]

38

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is cursive and somewhat faded. The page number '38' is written in a large, bold, black font on the left margin.

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

...
...
...
...
...
...

...
...
...
...
...
...

...
...
...
...
...
...
...

১৯৫৬ খ্রিঃ ১ জানুয়ারি
 ১৯৫৬ খ্রিঃ ২ ফেব্রুয়ারি
 ১৯৫৬ খ্রিঃ ৩ মার্চ
 ১৯৫৬ খ্রিঃ ৪ এপ্রিল
 ১৯৫৬ খ্রিঃ ৫ মে
 ১৯৫৬ খ্রিঃ ৬ জুন
 ১৯৫৬ খ্রিঃ ৭ জুলাই
 ১৯৫৬ খ্রিঃ ৮ আগস্ট
 ১৯৫৬ খ্রিঃ ৯ সেপ্টেম্বর
 ১৯৫৬ খ্রিঃ ১০ অক্টোবর
 ১৯৫৬ খ্রিঃ ১১ নভেম্বর
 ১৯৫৬ খ্রিঃ ১২ ডিসেম্বর

47

...
...
...
...
...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनस्य सन्निधौ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रस्य भारत ॥
 स्मृतं तदा कुरुष्व कुरुष्व कुरुष्व भारत ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रस्य भारत ॥
 स्मृतं तदा कुरुष्व कुरुष्व कुरुष्व भारत ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रस्य भारत ॥
 स्मृतं तदा कुरुष्व कुरुष्व कुरुष्व भारत ॥

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

(4.5) $\frac{1}{2} \log 2 = \log 2^{1/2} = \log \sqrt{2}$

[illegible][illegible]

၁၈၈၆ ခု ဇန်နဝါရီလ ၁၀ ရက်နေ့တွင် ရန်ကုန်မြို့တွင် ဖွားမြင်သည်။

$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

১৯৩৩ খ্রিঃ ১০ই আগস্ট তারিখের ১০৩ নং প্রজ্ঞাপন

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

54

...
...
...
...
...
...
...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनि-
 शिष्य ॥ त्वं प्रह्लादपुत्रं त्वं धर्मराज-
 उवाच ॥ अर्जुन ॥ त्वं प्रह्लादपुत्रं त्वं धर्मराज-
 उवाच ॥ अर्जुन ॥ त्वं प्रह्लादपुत्रं त्वं धर्मराज-
 उवाच ॥ अर्जुन ॥ त्वं प्रह्लादपुत्रं त्वं धर्मराज-
 उवाच ॥ अर्जुन ॥ त्वं प्रह्लादपुत्रं त्वं धर्मराज-

[illegible]

60

